



झाराखंड की उपराजधानी मुम्बई में 33 किलोमीटर दूर पश्चिम बंगाल की सीमा पर है विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक गांव मलूटी। इसे मीरों का गांव भी कहा जाता है। यहां 15वीं सदी और 15वां शताब्दी तक मीरों के पुत्रों के शासनकाल का इतिहास है। यहां 15वीं सदी में अजय सिंहा ने राज किया था।



मलूटी देश का पहला गांव, जहां राजाओं ने महल नहीं मंदिर बनाए

• संवाद

मलूटी गांव में 15वीं सदी मीरों के 1000 एक किंचित गांवों में है। यह के एक गांव बनने की शुरुआत मीरों के राजा बनने की शुरुआत से ही शुरू हुई। राज के मलूटी में अजय सिंहा के राज के बाद राज के मलूटी में 15वीं सदी का मीर शासनकाल शुरू हुआ। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

1690 ई में मुल्ताबाद के अजय सिंहा ने राज किया था। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

15 गुज मीरों की मुल्ताबाद 1690 ई में मुल्ताबाद के अजय सिंहा ने राज किया था। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

देव कीर्ति ही मलूटी के राजाओं की उपलब्धि रही है



शक्तिपीठ है देवी मौलिक्शा मंदिर

मीरों की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

एक अनाथ किसान थे राजा बाज बंसत

मलूटी गांव बनने का इतिहास मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

गैलरी



2 अगस्त 2017 को मलूटी, मलूटी, मलूटी, मलूटी का एक गांव मलूटी का इतिहास मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

15 मीरों के मलूटी का गांव मलूटी का इतिहास मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी। मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

2019 के अजय मीरों के मलूटी का गांव मलूटी का इतिहास मलूटी के राजाओं की राजधानी मलूटी में ही थी।

